खबरों में रहे स्टॉक

राइट्स

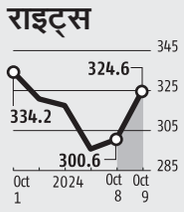

यूएई में रेल के बुनियादी ढांचा कार्यों के लिए एतिहाद रेल के साथ करार

₹ 300.6 पिछला बंद भाव
₹ 324.6 आज का बंद भाव
8.0 % ▲

टीवीएस मोटर कंपनी

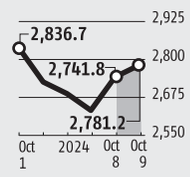

ई-तिपहिया के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए इकोफाई के साथ गठजोड़

₹ 2,741.8 पिछला बंद भाव
₹ 2,781.2 आज का बंद भाव
1.4 % ▲

अरविंद स्मार्टस्पेस

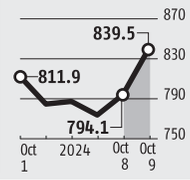

बेंगलूरु में नए आवासीय अपार्टमेंट परियोजना पर हस्ताक्षर किए

₹ 794.1 पिछला बंद भाव
₹ 839.5 आज का बंद भाव
5.7 % ▲

वरुण बेवरिजेज

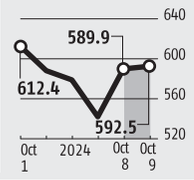

निदेशक मंडल ने क्यूआईपी के जरिये 7,500 करोड़ रुपये तक की रकम जुटाने को मंजूरी दी

₹ 589.9 पिछला बंद भाव
₹ 592.5 आज का बंद भाव
0.4 % ▲

एनबीसीसी इंडिया

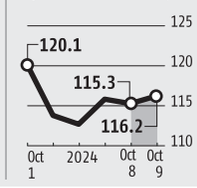

ओडिशा में खेल परिसर के निर्माण के लिए ऑर्डर मिला

₹ 115.3 पिछला बंद भाव
₹ 116.2 आज का बंद भाव
0.8 % ▲

संक्षेप में

60% संस्थापकों ने पहली बार में ही बना दी यूनिकॉर्न

एक अध्ययन से खुलासा हुआ कि भारत के करीब 60 फीसदी यूनिकॉर्न स्टार्टअप के संस्थापक ऐसे हैं जिन्होंने अपने पहले प्रयास में ही सफलता हासिल की है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है कि जिनका मूल्य 1 अरब डॉलर से अधिक होता है। प्राइवेट सर्कल रिसर्च के विश्लेषण में कहा गया है कि रिपोर्ट में 261 यूनिकॉर्न संस्थापकों पर विश्लेषण किया गया था। इनमें 29 फीसदी संस्थापकों ने दो प्रयास में अपनी स्टार्टअप को पहली बार यूनिकॉर्न बना सके और अन्य 6 फीसदी को तीन बार प्रयास करना पड़ा। प्राइवेटसर्कल ने ओला इलेक्ट्रिक, कृत्रिम, एक्सप्रेसबीज, ग्लांस, ग्लोबलबीज और ऑक्सीजो जैसी कंपनियों को छोड़कर 110 भारतीय यूनिकॉर्न की एक सूची पर विचार किया है, जो एक ही संस्थापक द्वारा शुरू की गई दूसरी या तीसरी यूनिकॉर्न कंपनी बन गई है। *बीएस*

20 करोड़ डॉलर का कर्ज लेगी आईआरबी इन्फ्रा

आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स लिमिटेड (आईआरबी इन्फ्रा) ने डॉलर मूल्यवर्ग वाले बॉन्ड अथवा अन्य ऋण प्रतिभूतियों सहित विदेशी मुद्रा जारी करने और आवंटित करने के जरिये 20 करोड़ डॉलर तक का कर्ज जुटाने की योजना बनाई है। कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी है। कंपनी ने कहा कि वह अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय संस्थानों से सावधि ऋण लेने की योजना बना रही है। इसके अलावा, कंपनी ऋण प्रतिभूति सुरक्षित करने को सुरक्षा बना सकती है और जरूरत पड़ने पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमति पर हेजिंग अनुबंध में प्रवेश कर सकती है। *बीएस*

सवाल जवाब

हम आईपीओ के बाद तय करेंगे अपनी नई लाभांश नीति

भारतीय शेयर बाजार में शुरुआत के लिए तैयार कोरियाई मूल की दिग्गज वाहन कंपनी ह्युंडै मोटर इंडिया का कहना है कि आईपीओ से यह साबित होगा कि कंपनी भारत में सफल होने के लिए और ज्यादा 'समर्पित' है। सोहिनी दास और समी मोडक से बातचीत में ह्युंडै के अध्यक्ष, मुख्य कार्य अधिकारी और प्रबंध निदेशक उनसू किम और कार्यकारी निदेशक, सीएफओ वांगडो हूर तथा कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक, सीओओ तरुण गर्ग ने अपनी योजनाओं की रूपरेखा के बारे चर्चा की। प्रमुख अंश ...

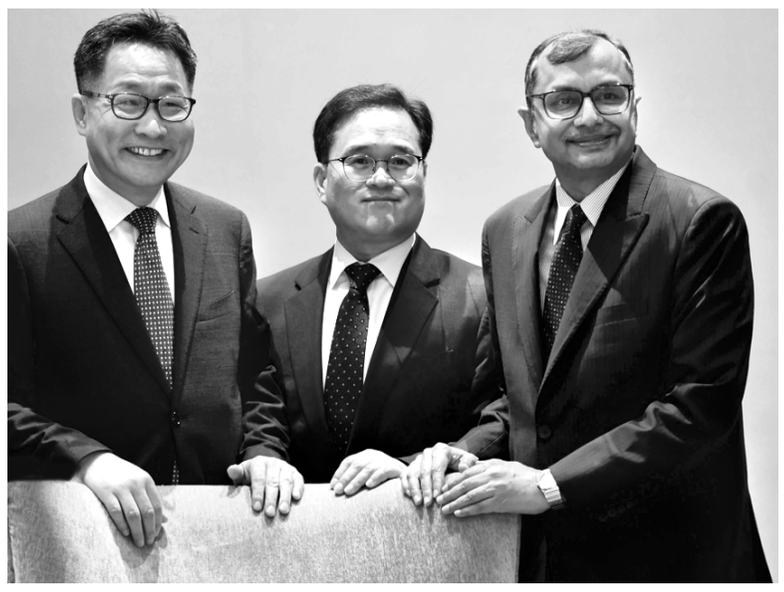

ह्युंडै मोटर भारत में सूचीबद्ध होने पर क्यों विचार कर रही है?

किम : यह सबसे बुनियादी सवालों में से एक है और हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। भारत दुनिया के सबसे रोमांचक वाहन बाजारों में से एक है और ह्युंडै मोटर इंडिया 26 वर्षों से सफल रही है तथा वर्तमान में हम भारत में दूसरे सबसे बड़े यात्री वाहन विनिर्माता हैं और इसलिए हमें लगता है कि यहां अपने परिचालन का और 'भारतीय-करण' करने तथा भारत में 'स्थानीय-ब्रांड' बनने का यह सही वक्त है। आईपीओ यह सुनिश्चित करेगा कि ह्युंडै मोटर भारत में कामयाबी के लिए और भी ज्यादा समर्पित हो जाए। साथ ही हम प्रशासन के मामले में वैश्विक मानकों का पालन करना जारी रखेंगे। आईपीओ स्थानीय और वैश्विक निवेशकों को हमारी विकास की कहानी में भाग लेने का अच्छा अवसर प्रदान करेगा।

भारत में आईपीओ लाने का विचार कब आया?

किम : वैश्विक स्तर पर ह्युंडै मोटर ग्रुप (एचएमजी) तीसरी सबसे बड़ी कंपनी है और ह्युंडै मोटर कॉर्पोरेशन (एचएमसी) के पास वैश्विक स्तर पर शानदार कारोबारी क्षमताएं - आरऐंडडी क्षमता, ब्रांड पावर और सर्वोत्तम कार्य प्रणाली है। एचएमसी का सपना लोगों को परिवहन सुविधा प्रदान करना है और इसी सपने के तहत हमने साल 1998 में भारत में अपना परिचालन शुरू किया था। अब आईपीओ की दिशा में बढ़ने का सही समय है

आपके मूल्यांकन पर निवेशकों की क्या प्रतिक्रिया है?

पिछले दो महीने में हमने यूरोप, उत्तरी अमेरिका, एशिया और पिश्चमी एशिया में रोड शो किए। बहुत से निवेशकों ने भारत में हमारे आईपीओ का स्वागत किया है। वे बहुत इच्छुक हैं। मूल्य के दायरे के संबंध में हमारे बैंकरों ने बाजार के रुझान और वैश्विक रुझानों का विश्लेषण किया है। मेरा मानना है कि उन्होंने मूल्य दायरा सही ढंग से निर्धारित किया है।

बैंक में आपके पास कितनी नकदी है और आप भारत में अपने विस्तार के लिए किस तरह पैसा जुटाने की योजना बना रहे हैं?

हूर : हम अपने आंतरिक स्रोतों से 32,000 करोड़ रुपये की निवेश योजना के लिए पैसा देने की योजना बना रहे हैं। 1 अप्रैल तक हमारे पास 9,000 करोड़ रुपये की नकदी है।

कंपनी ने बड़ा लाभांश दिया है। आगे चलकर भविष्य में लाभांश के संबंध में आपकी नीति क्या होगी?

हूर : पिछले सालों की तुलना में लाभांश भुगतान बहुत बड़ा था क्योंकि कोविड-19 की अवधि के दौरान हमने कोई लाभांश नहीं दिया था। इसलिए वित्त वर्ष 24 में हमारा लाभांश भुगतान पिछले सालों के मुकाबले कुछ अधिक रहा। आम तौर पर हमारा लाभांश भुगतान हमारी आय का 40 प्रतिशत होता है। लेकिन आईपीओ के बाद हम अपनी नई लाभांश नीति तय करेंगे। हम आय, भविष्य की पूंजीगत व्यय योजनाओं जैसे हर कारक पर विचार करेंगे।

क्या रॉयल्टी नीति पर भी दोबारा विचार किया जाएगा?

हूर : वर्तमान में हमारा रॉयल्टी भुगतान (मूल कंपनी को) वित्त वर्ष 25 में कुल यात्री वाहन राजस्व का 3.5 प्रतिशत है। आगे चलकर हम उसी दर (रॉयल्टी भुगतान के लिए) को बनाए रखेंगे, जब तक कि आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के दिशानिर्देशों या वैश्विक हस्तांतरण मूल्य निर्धारण के विषय में महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होता।

क्या आप भारत से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात की योजना बना रहे हैं?

किम : वर्तमान में हम भारत से निर्यात करने वाले दूसरे सबसे बड़े निर्यातक हैं। हम निर्यात पर ज्यादा ध्यान केंद्रित देंगे। इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्यात हमारे निर्यात देशों या बाजारों गतिविधि पर निर्भर करेगा। अगर किसी देश में सरकार की ओर से इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बुनियादी ढांचा बनाने की पहल होती है, तो हम निश्चित रूप से अपने इलेक्ट्रिक वाहनों का निर्यात करेंगे। हम मुख्य रूप से पश्चिम एशिया, ए शिया और लैटिन अमेरिका जैसे उभरते बाजारों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अगर हमें वहां इलेक्ट्रिक वाहनों की कोई मांग दिखती है, तो हम उसे भी दायरे में लेने का प्रयास करेंगे।

आप आगामी कैफे3 मानदंडों के लिए क्या तैयारी कर रहे हैं? आप अपने पोर्टफोलियो में ग्रीनर कारों की

ओमकारा एसेट्स रीकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : नं. 9, एम.पी. नगर, पहली गली, कोंगू नगर, एक्सटेंशन, तिरुपुर-641607
कॉर्पोरेट कार्यालयः कोहिनूर स्क्वायर, 47वीं मंजिल, एन.सी. केलकर मार्ग, आर.जी. गडकरी चौक, दादर पश्चिम, मुंबई 400 028. दूरभाष 022 6923 1111/8591439533

[परिशिष्ट-IV-A] [नियम 8(1), 8(6) का प्रावधान देखें]
अचल सम्पत्ति की बिक्री हेतु ई-नीलामी की सार्वजनिक सूचना
ई-नीलामी की तिथि : 14 नवम्बर, 2024

प्रतिभूति हित हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(1), 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल आस्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता को यह सूचना दी जाती है कि प्रतिभूत लेनदार यानी ओमकारा एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (ओएआरपीएल), जो कि कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के तहत निगमित कंपनी है, और वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) (सरफैसी अधिनियम, 2002) की धारा 3 के तहत एक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ विधिवत पंजीकृत है; जिसका सीआईएन नंबर **U67100TZ2014PTC020363** है और इसका **पंजीकृत कार्यालय 9, एम.पी नगर, प्रथम स्ट्रीट, कोंगु नगर एक्सटेंशन, तिरुपुर** - 641607 **और कॉर्पोरेट कार्यालय कोहिनूर स्क्वायर, 47वीं मंजिल, एन.सी. केलकर मार्ग, आर.जी. गडकरी चौक, दादर (पश्चिम), मुंबई** - 400028 **है, जो ओमकारा पीएस-26/2021-22 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में कार्यरत है, के पास नीचे वर्णित अचल संपत्ति 'प्रतिभूत परिसंपत्ति' बंधक/प्रभारित है। इसने दिनांक** 30-09-2021 के असाइनमेंट समझौते के माध्यम से वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 5 के तहत पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, (पीएचएफएल) (जिसे पहले मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) से अंतर्निहित प्रतिभूतियों के साथ कर्जदार(रों)/सह-कर्जदार(रों)/बंधककर्ता(ओं) के संपूर्ण बकाया के सभी अधिकार, स्वामित्व और हित हासिल कर लिए हैं।

इसके अलावा, **अपर मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (ए.सी.एम.एम.) न्यायालय-II, कानपुर नगर द्वारा पारित आदेश के अनुसार वाद संख्या** 3942/2022 **दिनांक** 23/04/2024 **के माध्यम से दिनांक** 16-07-2024 को प्रतिभूति ऋणदाता के प्राधिकृत अधिकारी ने प्रतिभूत परिसंपत्ति (परिसंपत्तियों) का भौतिक कब्जा ले लिया गया है, और उक्त परिसंपत्ति (परिसंपत्तियों) को नीचे उल्लिखित कर्जदार(रों)/गारंटर(रों)/बंधककर्ता(ओं) से प्रतिभूति ऋणदाता को देय नीचे उल्लिखित बकाया राशि की वसूली के लिए नीचे उल्लिखित तिथि को **"जहाँ है जैसे है", "जो है यही है" तथा "जो कुछ भी है वहीं है"** के आधार पर बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य, जमा धरोहर राशि (ईएमडी) और अन्य विवरण नीचे दिए गए हैं।

कर्जदार तथा सह-कर्जदार का नाम	अचल सम्पत्ति का विवरण	बकाया राशि रु. में
1. संदीप जैसवार (कर्जदार/बंधककर्ता) 2. चंद्रावली (सह-कर्जदार)	मकान प्लॉट नं. 4, आराजी नं. 130, केए 131, मौजा- प्रतापपुर, कानपुर- 209 217. माप 58.52 वर्ग मीटर	16-04-2021 तक रु. 10,38,537/- (रुपये दस लाख अड़तीस हजार पांच सौ सैंतीस मात्र) तथा उस पर आज तक का संविदात्मक ब्याज और अन्य शुल्क।
मांग सूचना की तिथि : 30-03-2022, कब्जे की तिथि : 16-07-2024		
आरक्षित मूल्य (रु.) - 7,25,000, ईएमडी (रु.) - 72,500		
निरीक्षण की तिथि एवं समय - 08-11-2024 को 2:00 बजे अप. से 3:00 बजे अप. /रु. 10,000/-		
ईएमडी भुगतान तथा बोली प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि : 13-11-2024 को 6:00 बजे अप. तक		
नीलामी की तिथि तथा समय : 14-11-2024 समय : 03:00 बजे अप. - 05:00 बजे अप., वृद्धि मूल्य : रु. रु. 10,000/-		

1. इच्छुक बोलीदाता जिन्होंने ईएमडी जमा कर दी है और लॉगिन आईडी और पासवर्ड बनाने, डेटा अपलोड करने, बोली जमा करने, ई-बोली प्रक्रिया पर प्रशिक्षण आदि में सहायता की आवश्यकता है, वे ई-नीलामी सेवा प्रदाता **'मैसर्स सी 1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड', दूरभाषः** +91-7291981124/25/26, **हेल्पलाइन ई-मेल आईडीः support@bankeauctions.com या श्री भाविक पंड्या, मोबाइलः** 88666 82937 **ई-मेल - maharashtra@c1india.com** से संपर्क कर सकते हैं।
2. संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रश्न या संपत्ति अनुसूची के निरीक्षण के लिए, इच्छुक व्यक्ति संबंधित अधिकृत अधिकारी - आशीष नांगिया (मोबाइल - 9323642445), ई-मेलः **Ashish.nangia@omkaraarc.com** या ऊपर उल्लिखित पते पर कार्य दिवसों के दौरान कार्यालय समय में संपर्क कर सकते हैं। बिक्री की विस्तृत शर्तों और नियमों के लिए कृपया **http://omkaraarc.com/auction.php** में दिए गए लिंक को देखें।

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) और 9(1) और 6(2) तथा वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत

यह नोटिस उपरोक्त ऋण खाते के कर्जदार/सह-कर्जदार को तीस दिन (30) दिन का अनिवार्य नोटिस भी है, जिसमें उन्हें उपरोक्त तिथि और समय पर सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से बिक्री के बारे में सूचित किया जाता है, साथ ही सलाह दी जाती है कि यदि वे चाहें तो लागत और व्यय के साथ ऊपर उल्लिखित बकाया राशि का भुगतान करके आस्तियों को विमोचित कर सकते हैं। भुगतान में चूक की स्थिति में, प्राधिकृत अधिकारी/प्रतिभूति लेनदार के विवेक पर संपत्ति को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (5) के तहत निर्धारित किसी भी तरीके से बेचा जाएगा।

हस्ता./-, **प्राधिकृत अधिकारी,**
दिनांकः 10 अक्टूबर, 2024 **ओमकारा एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड**
स्थानः मुंबई **(ओमकारा पीएस 29/2021-22 ट्रस्ट के ट्रस्टी के रूप में अपनी क्षमता में कार्यरत)**

उपभोक्ताओं के भरोसे में बेहतर

अभिजित लेले
मुंबई, 9 अक्टूबर

सितंबर 2024 के सर्वे के दौर में उपभोक्ताओं के भरोसे में जुलाई के मुकाबले सुधार देखने को मिला। इसकी वजह आम आर्थिक हालात, रोजगार और आय की स्थिति को लेकर बेहतर धारणा रही। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के फॉरवर्ड लुकिंग सर्वे से मिली।

करेंट सिचुएशन इंडेक्स (सीएसआई) 0.8 अंक सुधरकर 94.7 पर पहुंच गया। हालांकि यह 100 की सीमा से नीचे बना रहा। फ्यूचर एक्सपेक्टेशन इंडेक्स (एफईआई) के जरिये मापे गए आने वाले साल के लिए उपभोक्ताओं का आशावाद 0.7 अंक सुधरकर 121.4 पर पहुंच गया। सर्वे में देश भर के 19 बड़े शहरों में आम आर्थिक हालात, रोजगार के परिदृश्य, कीमतों की समूची स्थिति, खुद की आय और खर्च को लेकर आम लोगों की मौजूदा धारणा और अगले एक साल की उम्मीदों के बारे में जानकारी जुटाई गई। आरबीआई का ताजा सर्वे 1 से 10 सितंबर, 2024 में हुआ और इसमें 6,087 उत्तरदाता शामिल हुए। आरबीआई के बयान के अनुसार इस नमूने में महिलाओं की हिस्सेदारी 49.2 फीसदी रही।

कीमतों की स्थिति के आकलन के हिसाब से मौजूदा महंगाई को लेकर आम लोगों की धारणा 10 आधार अंक घटकर जुलाई 2024 के दौर के सर्वे के मुकाबले 8.1 फीसदी रह गई।

सबसे बड़े आईपीओ के लिए तैयार ह्युंडै

पृष्ठ 1 का शेष

ह्युंडै मोटर इंडिया फिलहाल ह्युंडै मोटर कंपनी की 100 फीसदी हिस्सेदारी वाली सहायक कंपनी है।

आईपीओ के बाद ह्युंडै मोटर इंडिया में उसकी मूल कंपनी एचएमसी की हिस्सेदारी घटकर 82.5 फीसदी रह जाएगी। यह आईपीओ घरेलू शेयर बाजारों की गहराई और आकर्षण का पता लगाने के लिए काफी अहम साबित होगा। साथ ही इससे उभरते बाजारों में सबसे अधिक मूल्यांकन का दावा करने वाले भारतीय बाजार में कई अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सूचीबद्ध होने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। भारतीय बाजार में सूचीबद्ध होने का रुझान पहले से ही बढ़ने लगा है। घरेलू अप्लायंसेज बनाने वाली दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भी भारत में सूचीबद्ध होने की संभावनाएं तलाश रही है।

ह्युंडै मोटर इंडिया के अध्यक्ष, सीईओ एवं एमडी उनसू किम ने भारत में सूचीबद्ध होने की वजह के बारे में कहा, 'हमारा मानना है कि कारोबार को और अधिक भारतीयकरण करने

और एक स्थानीय ब्रांड के तौर पर स्थापित होने के लिए यह बिल्कुल सही वक्त है। यह आईपीओ सुनिश्चित करेगा कि एचएमआईएल भारत में सफलता के लिए और अधिक समर्पित होगी।'

एचएमआईएल अपने क्रेटा एसयूवी के लिए काफी लोकप्रिय रही है। कंपनी कार बाजार की अग्रणी कंपनी मारुति सुजूकी और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा के बराबर मूल्यांकन की तलाश कर रही है। एसयूवी श्रेणी की अग्रणी कंपनी होने के बावजूद यात्री कार बाजार में एचएमआईएल की बाजार हिस्सेदारी करीब 14.6 फीसदी है जबकि मारुति सुजूकी की बाजार हिस्सेदारी 40 फीसदी से अधिक है।

इस आपीओ के तहत एचएमआईएल का मूल्यांकन वित्त वर्ष 2024 की बिक्री के 2.3 गुना और वित्त वर्ष 2024 के मुनाफे के 26.3 गुना आंका गया है। इस बीच, मारुति सुजूकी और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा का मूल्यांकन वित्त वर्ष 2024 की बिक्री के करीब 2.7 गुना और वित्त वर्ष 2024 की आय के क्रमशः 27 गुना एवं 32 गुना पर किया गया है।

विश्लेषकों का मानना है कि एचएमआईएल का बेहतर उत्पाद पोर्टफोलियो, बाजार हिस्सेदारी में हालिया सुधार और एचएमसी जैसे बड़े समूह का हिस्सा होने से उसके मूल्यांकन को दम मिलेगा। नोमुरा ने एक हालिया नोट में कहा है कि क्रेटा ईवी और पेट्रोल-एचईवी एसयूवी एनआई1आई जैसे नए मॉडलों के उतारे जाने से एचएमआईएल की बिक्री को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों एवं हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग बढ़ने से कंपनी के लिए जबरदस्त अवसर है।

एमेजॉन की स्टार्टअप इंडिया के साथ साझेदारी : एमेजॉन इंडिया ने ई-कॉमर्स से स्टार्टअप कंपनियों की कारोबार वृद्धि में मदद के लिए उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के तहत 'स्टार्टअप इंडिया' के साथ साझेदारी की है। *भाषा*

उबर को स्थानीय भाषाओं से मिल

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 9 अक्टूबर

उबर की बेंगलूर स्थित ग्लोबल स्केल्ड सॉल्यूशंस (जीएसएस) तकनीकी टीम ने ऐप को क्षेत्रीय भाषाओं में स्थानीय रूप देने के लिए जरूरी समय और लागत पहले के मुकाबले एक-चौथाई तक कम कर दी है। इससे वह दुनिया भर के नए शहरों में अपना परिचालन तेजी से शुरू करने में सक्षम हो गई है। यह अग्रणी मशीन लर्निंग और एआई तकनीक से समर्थित है। इस अतिरिक्त दक्षता ने उबर को कई और भाषाओं तथा बाजारों में ऐप को स्थानीय रूप देने में मदद की है।

उबर ऐप को क्षेत्रीय भाषाओं में करने से ड्राइवर, सवारी और प्लेटफॉर्म के सामान्य उपयोगकर्ता मोबाइल तथा वेब या अन्य किसी भी माध्यम पर उबर की सामग्री को आसानी और सहजता से समझ सकते हैं। रास्तों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। स्थानीयकरण पर काम करने वाली जीएसएस टीमें बेंगलूरु और अमेरिका में उबर के तकनीकी केंद्रों से बाहर हैं।

उबर की वरिष्ठ निदेशक (कार्यक्रम प्रबंधन और जीएसएस प्रमुख) मेघा येतदका ने कहा, 'स्थानीयकरण के लिए हमारा मिशन यह है कि हमारे उत्पाद हर किसी को, हर जगह स्थानीय अनुभव हों और हम लगातार नवाचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इससे ऐप को स्थानीय और क्षेत्रीय भाषाओं के अनुकूल करने में मदद मिलती है, जिससे नए बाजारों में कमाई करने वाले लोग और ग्राहक आसानी से इसका उपयोग कर सकते हैं। कई मामलों में तो यह सब कुछ ही घंटों में हो जाता है।'

स्थानीयकरण प्रक्रिया में पहले द्विभाषी एजेंटों को काम पर रखना पड़ता था और उबर ऐप को स्थानीय भाषाओं में अनुवाद करने के लिए सिस्टम में कई दिनों तक इनपुट देना होता था। अब इसे जनरेटिव एआई और मोनोलिंगुअल एजेंटों के संयोजन के जरिये किया जाता है, जिससे उबर का भाषा प्रक्रिया स्वचालन बढ़ रहा है। स्थानीयकरण प्रक्रिया का 85 प्रतिशत हिस्सा अब टचलैस (स्पर्श रहित) है और इसके लिए मानव हस्तक्षेप की जरूरत नहीं होती है। दिसंबर तक 90 प्रतिशत टचलैस स्थानीयकरण स्तर हासिल करने का लक्ष्य है।

टीम अब अपने खुद के विशिष्ट

एयर इंडिया, विस्तारा पायलटों की करियर प्रगति योजना पर मंथन तेज

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 9 अक्टूबर

अगले महीने विलय की तैयारी कर रहीं एयर इंडिया और विस्तारा में करियर प्रगति योजना से उनके पायलटों में हलचल तेज हो गई है। एयर इंडिया ने अपने 2,144 पायलटों में से करीब 20 प्रतिशत को बड़े आकार के विमान में 'कन्वर्जन' या फर्स्ट ऑफिसर से कैप्टन के पद पर 'अपग्रेड' करने के लिए भेजा है। साथ ही एयरलाइन ने इस वर्ष अपने भर्ती लक्ष्य में 100 से अधिक पायलटों की कटौतीकी है।

इसी तरह विस्तारा में भी पायलटों की बेचैनी बढ़ गई है। विस्तारा में कुछ पायलट इस बात से नाराज हैं कि एयर इंडिया के उनके सहकर्मियों ने इन पदोन्नतियों में उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

एयर इंडिया ने अपने एक आंतरिक दस्तावेज में कहा, 'हमारी विस्तार योजनाएं न्यूनतम बाहरी नियुक्तियों के साथ करियर प्रगति योजना के अनुरूप समूह में आंतरिक तौर पर स्थानांतरण के जरिये पूरी की जाएंगी।'

आंतरिक 'करियर प्रोग्रेसन पॉलिसी' के प्रभाव का जिक्र करते हुए एयर इंडिया ने कहा है, 'हमने चालू वित्त वर्ष में पहले ही 98 बेड़ों (उपर्युक्त पायलट 'कन्वर्जन') और 51 कमांड अपग्रेड कर लिए हैं, जिससे पायलटों की नियुक्ति के लक्ष्य में 100 से अधिक की कमी आई है।'

एयर इंडिया ने रविवार को बिजनेस स्टैंडर्ड द्वारा इस संबंध में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। विस्तारा ने भी बुधवार को इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

एयर इंडिया के 73 नैरो-बॉडी विमान के लिए मौजूदा समय में 1,029 'लाइन-रिलीज्ड' पायलट हैं और इनमें से करीब 17 प्रतिशत कन्वर्जन या अपग्रेड की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। 'लाइन-रिलीज्ड' ऐसे पायलट हैं जिन्होंने अपनी ट्रेनिंग पूरी कर ली है और विशेष विमान उड़ाने के लिए प्रमाणित हैं। एयरलाइन के 53 वाइड-बॉडी यानी बड़े आकार के विमान के लिए 1,115 'लाइन-रिलीज्ड' पायलट हैं, जिनमें से करीब 21.1 प्रतिशत कन्वर्जन या अपग्रेड की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। इस बीच, विस्तारा के पायलटों ने सीईओ विनोद कन्नन को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि एयर इंडिया के पायलटों को उनसे पहले कन्वर्टेड और अपग्रेड किया जा रहा है। पत्र में पायलटों ने दावा किया है कि यह परंपरा बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) द्वारा कई महीने पहले दोनों एयरलाइनों के पायलटों के लिए तैयार किए गए करियर प्रगति ढांचे का उल्लंघन है।

आईसीआईसीआई सिक्यो होगी डीलिस्ट

राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) के अहमदाबाद पीठ ने बुधवार को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को शेयर बाजार से हटाने की अनुमति दी है। 21 अगस्त को एनसीएलटी मुंबई ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड को शेयर बाजार से डीलिस्ट करने की भी मंजूरी दे दी थी। न्यायमूर्ति शम्मी खान की अगुआई वाली एनसीएलटी अहमदाबाद पीठ ने योजना को मंजूरी देते हुए डीलिस्टिंग की योजना पर आपत्ति जताने वाली दो अर्जियों को खारिज कर दिया। अधिकरण ने अल्पांश शेयरधारकों द्वारा दायर आपत्तियों को मौखिक रूप से खारिज कर दिया। *बीएस*

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

अधिग्रहण सूचना
(नियम 8 (1))
अचल सम्पत्ति हेतु

प्रतिभूतिकरण व वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन (द्वितीय) अधिनियम 2002 के अन्तर्गत अधोहस्ताक्षरी बैंक ऑफ बड़ौदा का प्राधिकृत अधिकारी है और प्रतिभूति हित नियम 2002 की उपधारा 13(12) नियम 3 के साथ पठनीय के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित खाते के सम्मुख उल्लिखित धनराशि के सम्बन्ध में (जिसका सम्पूर्ण विवरण नीचे उल्लिखित है) सम्बन्धित उधारकर्ताओं से मांग की गयी थी कि वे उक्त नोटिस प्राप्त होने की दिनांक से 60 दिन के अन्दर ऋण राशि चुकता कर दें। चूँकि सम्बन्धित ऋणी/जमानतदार के द्वारा ऋण राशि चुकता नहीं की गयी है इसलिए ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता व आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) नियम 8 के साथ पठनीय के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे लिखी सम्पत्तियों को कब्जे में लिया है। विशेष तौर पर ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता और सामान्य तौर पर आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्तियों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की खरीद-फरोख्त न करें। इन सम्पत्तियों के सम्बन्ध में किसी भी खरीद-फरोख्त हेतु बैंक ऑफ बड़ौदा को देय राशि व उस पर देय ब्याज के अनुक्रम में प्रभार नोट किया जाएगा।
ऋणी/जमानतदार/बंधककर्ता का ध्यान प्रतिभूतिकृत आस्तियों को विमुक्त करने के लिए उपलब्ध समय-सीमा के संदर्भ में, उक्त अधिनियम की धारा 13 (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

क्र. सं0	ऋणीओं/जमानतकर्ताओं का नाम व पता	अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि/ अधिग्रहण की तिथि/ बकाया धनराशि
अलीगंज शाखाः ए-1/4, सेक्टर-"ए" अलीगंज हाउसिंह स्कीम, लखनऊ - 226020, फोनः 0522-2334793			
1.	**ऋणीः श्री शैलेश मनी त्रिपाठी पुत्र श्री सत्य नारायण त्रिपाठी और बृजेश मनी त्रिपाठी पुत्र सत्य नारायण त्रिपाठी**	साम्यिक बंधक मकान सं. ई-1/160/एच, सेक्टर-एच, जानकीपुरम योजना वार्ड, जानकीपुरम, लखनऊ, पर स्थित, **मालिकः** श्री शैलेश मनी त्रिपाठी पुत्र श्री सत्य नारायण त्रिपाठी और बृजेश मनी त्रिपाठी पुत्र सत्य नारायण त्रिपाठी, **क्षेत्रफलः 30.00 वर्ग मी. चौहद्दीः पूर्वः** मकान सं. 1/159 **पश्चिमः** मकान सं. 1/161, **उत्तरः** 9 मीटर चौड़ा रास्ता, **दक्षिणः** मकान सं. 1/181	**21.05.2024** **05.10.2024** रू. 26,69,319.30/- एवं उसपर संविदा दर पर ब्याज + लागत, शुल्क एवं खर्चे
2.	**ऋणीः श्रीमती ममता सिंह पत्नी श्री संतोष सिंह**	साम्यिक बंधक मकान सं. एच 3/339, प्रकार-ईडब्लूएस (15/25) मोहल्ला बरावन खुर्द, अम्रपाली योजना